>

Tilte: Defering of further discussion on the Academy Of Scientific and Innovative Research Bill, 2010.

MADAM SPEAKER: The House shall now take up item no. 24. Shri Pawan Kumar Bansal.

...(*Interruptions*)

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): महोदया, मेरी बात सुनिये।...(व्यवधान) हमारा विषय जम्मू-कश्मीर से संबंधित है।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आपको शाम को बुलायेंगे। बहुत से माननीय सदस्य रह गये हैं, उन्हें हम शाम को बुलायेंगे।

â€¦(व्यवधान)

चौधरी लाल सिंह : वहां हमारे मजदूर लूटे जा रहे हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : ठीक है, आप बैठ जाइये। माननीय मंत्री जी बोल रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

(Interruptions) â€¦ *

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS, MINISTER OF SCIENCE AND TECHNOLOGY AND MINISTER OF EARTH SCIENCES (SHRI PAWAN KUMAR BANSAL): Madam Speaker, I thank the hon. Members Dr. Murli Manohar Joshi, Shri Ninong Ering, Shri Shailendra Kumar, Shri Vijay Bahadur Singh, Sk. Saidul Haque, Shri Mahtab and Shri Prabodh Panda who have participated in the discussion and made their contributions. ...(*Interruptions*)

12.00 hrs.

अध्यक्ष महोदया : आपको शाम को बुलाएंगे। जो माननीय सदस्य बच गए हैं, उनको शाम को बुलाएंगे।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए, आप बैठ जाइए। मंत्री महोदय बोल रहे हैं।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप बैठ जाइए। इस तरह उंगली नहीं दिखाते। बैठ जाइए, बैठ जाइए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : शांत हो जाइए। शांत हो जाइए। आपकी बात शाम को सुनेंगे । बैठ जाइए।

चौधरी लाल सिंह : अध्यक्ष महोदया, मेरी बात सुनिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : अच्छा बैठ जाइए, बैठ जाइए। इतना उद्वेलित नहीं हो जाते। बैठिए, बैठिए। मंत्री महोदय को बोलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए, ठीक है बैठिए। क्या कर रहे हैं? किस तरह से आप पेश आ रहे हैं?

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : बैठ जाइए, बैठिए। ये व्यवहार?.. आप इस पर जरा खुद सोचिए बैठ करके और आगे से ऐसा व्यवहार मत करिए। बैठ जाइए। बैठिए, बैठिए। बैठ जाइए।

Nothing will go on record. You can raise the matter in the evening when 'Zero Hour' matters are again taken up in the House.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : नहीं, ये नहीं। अपने को अनुशासित करिए। बैठ जाइए। अपने को अनुशासित करिए और बैठ जाइए।

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: My illustrious predecessor in the Ministry of Science and technology, Dr. Murli Manohar Joshi, made certain observations yesterday. Though I would like to assure him and allay his fears that he expressed, essentially about his fear that this Academy of Science and Innovative Research would impinge upon or bring down the quality of research in the universities, I do wish to take this opportunity to say that, since he also said that we should talk to him, he would like to speak to us on this Bill, I credit him with immense knowledge on the subject though we are sure of what we have said. Madam, we are on a strong footing. We believe that, in fact, there is a similarity and complementarity of the Indian university system and it will synergise the working of the universities and also the scientific research. But, nevertheless, the fact remains, since he has made some points, I think I should discuss those with him.

MADAM SPEAKER: Hon. Member, please sit down.

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: Madam, I would like to discuss those points with Shri Murli Manohar Joshi, as also one or two other hon. Members who have expressed some apprehensions. My basic point is about the fear that he has expressed about the research in the universities. This nobody wants to permit. In fact, the entire endeavour over this period is to promote research in all the institutions. The hon. Minister of Human Resource Development is also here. The innovative universities are being set up. The sort of expansion...(*Interruptions*)â€¦ Madam, I have mentioned Shri Saidul Haque's name also. I have mentioned his name also. All that I am saying is...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: You cannot just get up and start speaking like this. Please sit down. Nothing is going on record.

*(Interruptions) â€¦ **

SHRI PAWAN KUMAR BANSAL: I have mentioned Shri Saidul Haque's name also. There were seven Members who spoke on this. I have noted down all the points. I would like to speak to Dr. Murli Manohar Joshi and then see what we can really do about it.

So, I would request, Madam, that today this Bill may not be taken up. It may remain as such on the List of Business for the Lok Sabha. In the meanwhile, since today is the penultimate day of this Session, during this period I will try to get in touch with him on this matter.

श्रीमती सुषमा स्वराज (विदिशा): अध्यक्ष जी, कल हमारी ओर से इस विधेयक पर बोलते हुए डॉ. मुरली मनोहर जोशी जी ने काफी घोर आपत्तियां दर्ज की थीं। उनकी आपत्तियां वैध भी थीं और गंभीर भी थीं। मुझे खुशी है कि संसदीय कार्यमंत्री और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री ने उन आपत्तियों का संज्ञान लिया है। उनकी विशेष आपत्ति यह है कि इससे सारी-की-सारी यूनिवर्सिटीज में चलने वाला शोध कार्य समाप्त हो जाएगा और सारी चीज एक जगह आई.सी.ए.आर. में केन्द्रित हो जाएगी। इससे सारी चीज़ सीएसआईआर में इकट्ठी हो जाएगी। उन्होंने बहुत तर्क देकर, बड़े तार्किक ढंग से यह बात रखी थी। हमेशा जब इस तरह की स्थिति पैदा हो जाए तो उसमें बैस्ट यही रहता है कि आप मिलिये, कनविन्स करिये या कनविन्स हो जाइए। मुझे लगता है कि कल डॉ. जोशी जी ने जो बात कही थी, वह मंत्री जी पर वज़न डाल रही है, और मुझे इस बात की खुशी है...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : महोदया, मैं औपचारिकताओं पर नहीं जाऊंगा। जैसे मैंने कहा था यह स्टैन्डिंग कमेटी से भी आ चुका है। स्टैन्डिंग कमेटी में भी आपके सात सदस्य थे। मैं उन बातों का ज़िक्र नहीं करूँगा। मैं यही कह रहा हूँ कि मैं उनसे बात करूँगा। ...(व्यवधान)

श्रीमती सुषमा स्वराज : मैं तो इसीलिए कह रही हूँ कि आप अच्छा कर रहे हैं। अगर आपको कोई बधाई देने के लिए खड़ा हो तो आप उस पर भी खड़े हो जाते हैं। मैं यह कह रही हूँ कि बहुत अच्छा कर रहे हैं कि डॉ.जोशी जैसे विद्वान ने जो आपत्तियाँ यहाँ पर रखी थीं, उनका नोटिस आप ले रहे हैं और बिल को डैफर कर रहे हैं। बाद में आप डॉ. जोशी जी से बात करके बिल में जो सुधार करना है, वह कर लीजिए और फिर बिल ले आइए। मैं आपके प्रति आभार प्रकट करने के लिए खड़ी हुई हूँ। आप उस पर भी खड़े हो जाते हैं।

MADAM SPEAKER: Hon. Members, the consideration of this Bill is postponed.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

श्री मुलायम सिंह यादव (मैनपुरी): आपने जो कहा है कि मुरली मनोहर जोशी जी और आप बात करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र से हम भी बहुत समय से जुड़े हुए हैं। ...(व्यवधान)

श्री पवन कुमार बंसल : महोदया, मैं फिर दोहराना चाहता हूँ कि कल इस पर बहस हुई थी। ...(व्यवधान)

श्री मुलायम सिंह यादव : ऐसा नहीं हो कि आप दोनों ही बात कर लें।

श्री पवन कुमार बंसल : ऐसा मैंने नहीं कहा। सात माननीय सदस्यों ने इस पर हिस्सा लिया था। श्री शैलेन्द्र कुमार जी ने इसका समर्थन किया था, यानी आपने तो इसका समर्थन किया था और उस समर्थन के लिए मैं आपका धन्यवाद करता हूँ। यह हमारा मानना है कि इसमें कुछ गलत नहीं है, बल्कि जब नई एकैडमी बनेगी तो यह रिसर्च को बढ़ावा देगी। यूनिवर्सिटीज़ में भी रिसर्च अच्छी होगी, आपस में ताल्लुकात बनेंगे और मल्टी डिसिप्लिनरी रिसर्च के लिए अच्छा मौका मिलेगा। लेकिन क्योंकि उन्होंने कुछ आपत्ति ज़ाहिर की थी, मैंने उसी कारण कहा है कि मैं उसका ज़िक्र उनसे करके फिर आपके पास आऊँगा। मुझे किसी बात के लिए आपसे या किसी भी सदस्य से, किसी भी लीडर से बात करने की ज़रूरत पड़ी तो मैं ज़रूर करूँगा, लेकिन मैं आपका धन्यवाद करता हूँ कि आपने तो कल इस बिल पर समर्थन दिया है।